

पायजेहरि स्त्री. (देश.) पाजेब, पायल।

पायड़ा वि. (देश.) पैड़ा, रास्ता।

पायताना पुं. (देश.) पलंग अथवा चारपाई का वह भाग अथवा दिशा जिधर पैर हों।

पायदान पुं. (फा.) रेलगाड़ी, बस आदि में लगा हुआ वह तख्ता जिस पर पैर रखकर चढ़ते हैं।

पायदार वि. (फा.) 1. मजबूत और टिकाऊ 2. स्थिर 3. अचल।

पायदारी स्त्री. (फा.) दृढ़ता और मजबूती।

पायन पुं. (तत्.) किसी को कुछ पिलाने की क्रिया या भाव, पिलाना भी. किसी मिश्र धातु को कठोर बनाने के लिए जल अथवा तेल में डुबोकर ठंडा करना। tampering

पायना स्त्री. (तत्.) 1. सींचना 2. गीला या तर करना 3. सान धरना, धार तेज करना।

पायनिक वि. (तत्.) सिंचाई के काम में आने वाला।

पायरा पुं. (देश.) घोड़े की जीन पुं. (तद्.) एक प्रकार का कबूतर।

पायल स्त्री. (देश.) पैरों में पहने जाने वाला स्त्रियों का घुंघरूदार एक आभूषण 2. तेज गति से चलने वाली हथिनी 3. बाँस की सीढ़ी, वि. (तद्.) वह बच्चा, जन्म के समय जिसके पैर बाहर निकले हों।

पायस पुं. (तत्.) 1. खीर 2. सरल का गोंद, वि. (तत्.) दूध या जल से संबंधित, दूध या जल से बना हुआ रसा. दो अमिश्रणीय द्रवों के संयोग से बना मिश्रण जिसमें एक द्रव दूसरे में निलंबित रहता है जैसे- तेल तथा जल मिलाने से बना पायस। emulsion

पायसा पुं. (तद्.) पड़ोस, आस-पास का स्थान।

पायसीकरण पुं. (तत्.) रसा. एक द्रव को दूसरे द्रव में मिलाना जिसमें वह निलंबित रहे और पायस बने। emulsification

पायसीकारक पुं. (तत्.) रसा. वह पदार्थ जिसकी थोड़ी मात्रा डालने से कोई पायस स्थायी हो जाए, पायस बनाने में सहायक पदार्थ उदा. सभी प्रकार के परिक्षेपक अथवा पायसीकारक मिश्रण समुद्री जीवन को जहरीला बनाते हैं।

पायसोपवास पुं. (तत्.) अच्छे-अच्छे खाद्य पदार्थ खाकर भी यह कह देना कि हमने तो कुछ भी नहीं खाया, उपवास करने का झूठा बहाना।

पाया पुं. (फा. पाय.) 1. पलंग, मेज, कुरसी अथवा चौकी आदि का पैर, या पावा 2. खंभा 3. स्तंभ 4. नींव 5. बुनियाद 6. श्रेणी, दरजा, पद।

पायिक पुं. (तद्.) 1. पदातिक, पैदल सिपाही 2. चर, दूत।

पायी वि. (तत्.) 1. प्रायः समस्त पदों के अंत में प्रयुक्त होने वाला पद 2. पीने वाला जैसे- विषपायी, स्तनपायी।

पायु पुं. (तत्.) 1. मलद्वार, गुदा 2. ऋषि भरद्वाज के पुत्र का नाम।

पाय्य पुं. (तत्.) 1. प्राचीन काल में प्रचलित एक मान/नाप जिससे बिना तराजू ही अन्नादि की नाप-तौल कर ली जाती थी वि. 1. पीये जाने के योग्य, जिसका पान किया जा सके, पेय 2. जल पानी 3. रक्षण।

पारंगत वि. (तत्.) 1. जिसने किसी विद्या या शास्त्र का ज्ञान प्राप्त कर लिया हो 2. उपाधि विशेष का नाम 3. जो पार जा चुका हो या पहुँच चुका हो।

पारंपरिक/पारंपरीण/पारंपरीय वि. (तत्.) जो परंपरा से चला आ रहा हो, परंपरागत।

पारंपर्य पुं. (तत्.) 1. परंपरा का क्रम 2. परंपरा से चली आ रही प्रथा, रीति 3. वंश परंपरा 4. परंपरा का भाव।

पारंपर्योपदेश पुं. (तत्.) [पारंपर्य+उपदेश] 1. परंपरागत उपदेश, कुल परंपरा अथवा गुरु परंपरा आदि से निरंतर कही जाती रही बात।